अनुक्रमांक .

नाम ....

101

301(DF)

2024

हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

नोट : i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

ii) इस प्रश्नपत्र में दो खण्ड हैं, दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।

Allpyqs.com

खण्ड - क

1. (क) 'नासिकेतोपाख्यान' के रचनाकार हैं

(i) मुंशी इंशा अल्ला खाँ

(ii) लल्लू लाल

(iii) सदल मिश्र

(iv) मुंशी सदासुख लाल ।

(ख) बालकृष्ण भट्ट द्वारा सम्पादित पत्रिका है

(i) 'कवि वचन सुधा'

(ii) 'हिन्दी प्रदीप'

(iii) 'विशाल भारत'

(iv) 'साहित्य-सन्देश' ।

(ग) 'गोदान' किस विधा की रचना है ?

(i) कहानी

(ii) उपन्यास

(iii) निबन्ध

(iv) नाटक ।

(घ) छायावादी - युग के प्रसिद्ध आलोचक हैं

(i) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

(ii) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

(iii) धर्मवीर भारती

(iv) महावीरप्रसाद द्विवेदी ।

(ङ) 'रानी केतकी की कहानी' के लेखक हैं

(i) मुंशी प्रेमचन्द

(ii) सदल मिश्र

(iii) इंशा अल्ला खाँ

(iv) मुंशी सदासुख लाल ।

2. (क) 'चाँद का मुँह टेढ़ा है' के रचनाकार हैं

(i) 'मुक्तिबोध'

(ii) 'अज्ञेय'

(iii) भवानीप्रसाद मिश्र

(iv) गिरिजाकुमार माथुर ।

(ख) हिन्दी का प्रथम महाकाव्य माना जाता है

(i) 'रामचरितमानस'

(ii) 'रामचन्द्रिका'

(iii) 'पद्मावत'

Allpyqs.com

(iv) 'पृथ्वीराज रासो' ।

(ग) 'छायावाद स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह है' - यह कथन है

(i) सुमित्रानंदन पंत का

(ii) डॉ० नगेन्द्र का

(ii) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का

(iv) जयशंकर प्रसाद का ।

(घ) 'कवीर वाणी के डिक्टेटर हैं' - यह कथन है

(i) जयशंकर प्रसाद का

(ii) रामचन्द्र शुक्ल का

(iii) नन्द दुलारे वाजपेयी का

(iv) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी का ।

(ङ) सुमित्रानंदन पंत की 'साहित्य अकादमी' पुरस्कार प्राप्त काव्यकृति है

(i) 'वीणा'

(ii) 'कला और बूढ़ा चाँद'

(iii) 'ग्रन्थि'

(iv) 'चिदम्बरा' ।

3. निम्नलिखित गद्यांशों पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

हमारी युवा शक्ति से सम्पर्क कायम करने के मेरे फैसले का आधार भी यही रहा है । उनके सपनों को जानना और उन्हें बताना कि अच्छे, भरे-पूरे और सुख-सुविधाओं से पूर्ण जीवन के सपने देखना तथा फिर स्वर्णिम युग के लिए काम करना सही है । आज जो कुछ भी करें वह आपके हृदय से किया गया हो, अपनी आत्मा को अभिव्यक्ति दें और इस तरह आप अपने आस-पास प्यार तथा खुशियों का प्रसार कर सकेंगे ।

(i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ तथा लेखक का नाम लिखिए ।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) लेखक का युवा - शक्ति से सम्पर्क कायम करने के फैसले का आधार क्या रहा है ?

(iv) हम अपने आस - पास प्यार तथा खुशियों का प्रसार कब कर सकेंगे ?

(v) 'अभिव्यक्ति' तथा 'प्रसार' का अर्थ लिखिए ।

अथवा

इच्छाएँ नाना हैं और नाना विधि हैं और वे उसे प्रवृत्त रखती हैं । उस प्रवृत्ति से वह रह-रहकर थक जाता है और निवृत्ति चाहता है । यह प्रवृत्ति और निवृत्ति का चक्र उसको द्वन्द्व से थका मारता है । इस संसार को अभी राग-भाव से वह चाहता है कि अगले क्षण उतने ही भाव-विराग से वह उसका विनाश चाहता है । पर राग-द्वेष की वासनाओं से अंत में झुंझलाहट और छटपटाहट ही उसे हाथ आती है ।

(i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ तथा उसके लेखक का नाम लिखिए ।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) प्रवृत्ति-निवृत्ति के चक्र में फँसा मनुष्य क्यों थक जाता ?

(iv) प्रेम और ईर्ष्या की वासनाओं में पड़कर मनुष्य की स्थिति कैसी हो जाती है ?

(v) कौन - सा द्वन्द्व व्यक्ति को थका देता है ?

4. निम्नलिखित पद्यांशों पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

मुझे फूल मत मारो,

मैं अबला बाला वियोगिनी, कुछतोदयाविचारो |

होकर मधु के मीत मदन, पटु तुम कटु, गरल न गारो,

मुझे विकलता, तुम्हें विफलता, ठहरो, श्रम परिहारो ।

नहीं भोगिनी यह मैं कोई, जो तुम जाल पसारो,

बल हो तो सिन्दुर-बिंदु यह - यह हर नेत्र निहारो !

रूप-दर्प कंदर्प, तुम्हें तो मेरे पति पर वारो,

लो, यह मेरी चरण-धूलि उस रति के सिर पर धारो ।

(i) प्रस्तुत पद्यांश के पाठ का शीर्षक व कवि का नाम लिखिए ।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) प्रस्तुत पद्यांश में कवि ने कौन-सा अलंकार प्रयुक्त किया है ?

(iv) काम - व्यथित होने पर उर्मिला किससे प्रार्थना करती है ?

(v) पद्यांश में उर्मिला ने अपने सिंदूर बिंदु को किसके समान बताया है ?

अथवा

तरनि-तनूजा तर तमाल तरूवर बहु छाये ।

झुके कूल सों जल परसन हित मनहुँ सुहाये ।।

किधौं मुकुरमैं लखत उझकि, सब निज-निज सोभा ।

कै प्रभवत जल जानि परम पावन फल लोभा ॥

मनु आतप वारन तीर कै सिमिटि सबै छाये रहत ।

के हरि सेवा हित नै रहे निरखि नैन मन सुख लहत ॥

(i) उपर्युक्त पद्यांश के पाठ का शीर्षक व कवि का नाम लिखिए ।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए !

(iii) इस पद में किसका मनोहारी चित्रण किया गया है ?

(iv) यमुना तट पर तमाल के झुके हुए वृक्ष किस प्रकार के प्रतीत हो रहे हैं ?

(v) जल रूपी दर्पण में अपनी शोभा कौन देख रहा है ?

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय देते हुए उनकी रचनाओं का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द)

(i) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी

(ii) वासुदेवशरण अग्रवाल

(iii) पं० दीनदयाल उपाध्याय ।

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का जीवन-परिचय देते हुए उनकी साहित्यिक विशेषताओं को लिखिए: (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द)

(i) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'

(ii) रामधारी सिंह 'दिनकर'

(iii) जयशंकर प्रसाद ।

6. कर्मनाशा की हार' कहानी के प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'बहादुर' अथवा 'खून का रिश्ता' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए ।

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्डकाव्य के एक प्रश्न का उत्तर लिखिए: (अधिकतम शब्द - सीमा 80 शब्द)

(क) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर श्रीकृष्ण का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की प्रमुख घटनाओं का वर्णन कीजिए ।

(ख) 'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य के आधार पर दशरथ का चरित्र चित्रण कीजिए ।

अथवा

'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य की प्रमुख घटनाओं का वर्णन कीजिए ।

(ग) 'आलोक - वृत्त' खण्डकाव्य की विशेषताओं का निरूपण कीजिए ।

अथवा

'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(घ) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की प्रमुख घटनाएँ संक्षेप में लिखिए ।

(ङ) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर किसी स्त्री पात्र का चरित्रांकन कीजिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के 'चतुर्थ सर्ग' की घटना अपने शब्दों में लिखिए ।

Allpyqs.com

(च) ‘सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर 'दु:शासन' का चरित्र चित्रण कीजिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की विशेषताएँ लिखिए ।

खण्ड - ख

8. (क) निम्नलिखित संस्कृत गद्यांश में से किसी एक का सन्दर्भ - सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए ।

अतीते प्रथमकल्पे जनाः एकमभिरूपं सौभाग्य प्राप्तं सर्वाकारपरिपूर्ण पुरुषं राजानम कुर्वन् । चतुष्पदा अपि सन्निपत्य एकं सिंहं राजानमकुर्वन् । तत्रः शकुनिगणः हिमवत्-प्रदेशे एकस्मिन् पाषाणे सन्निपत्य 'मनुरूपेषु राजा प्रज्ञायते तथा चतुष्पदेषु च । अस्माकं पुनरन्तरे राजा नास्ति । अराजको वासी नाम न वर्तते । एको राजस्थाने स्थापयितव्यः' इति उक्तवन्तः । अथ ते परस्पर- मवलोकयन्तः एकमुलूकं दृष्ट्वा 'अयं नो रोचते' इत्यवोचन् ।

अथवा

बौद्धयुगे इमे सिद्धान्ताः वैयक्तिक जीवनस्य अभ्युत्थानाय प्रयुक्ता आसन । परमथ इमे सिद्धान्ताः राष्ट्राणां परस्परमैत्री सहयोग कारणानि, विश्वबन्धुत्वस्य विश्वशान्तेश्च साधनानि सन्ति । राष्ट्रनायकस्य श्री जवाहरलाल नेहरू महोदयस्य प्रधानमन्त्रित्वकाले चीनदेशेन सह भारतस्य मैत्री पंचशीलसिद्धान्तानाधिकृत्य एवाभवत् । यतोहि उभावपि देशौ बौद्धधर्मे निष्ठावन्तौ । आधुनिके जगति पञ्चशीलसिद्धान्ताः नवीनं राजनैतिकं स्वरूपं गृहीतवन्तः ।

(ख) निम्नलिखित संस्कृत श्लोकों में से किसी एक का सन्दर्भ - सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

सहसा विदधीत न क्रियाम विवेकः परमापदां पदम् ।

वृणुते हि विमृश्यकारिणं गुरु लुब्धा स्वमेव सम्पदः ।।

अथवा

सुपुस्पितांस्तु पश्यैतान् कर्णिकारान् समन्ततः ।

हारक प्रति सञ्छत्रान् नरान् पीताम्बरानिव ।।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में उत्तर दीजिए :

(i) संस्कृत-साहित्यस्य अनुशीलनेन के गुणाः सञ्जायन्ते ?

(ii) बौद्ध युगे पञ्चशील सिद्धान्ताः कस्य हेतोः प्रयुक्ता आसन् ?

(iii) महामना मालवीयः वाराणसी - नगरे कस्य विश्वविद्यालयस्य संस्थापनम् करोत् ?

(iv) दुर्योधनः कस्य प्रभावेण आसनात् चलितोऽभवत् ?

(क) 'हास्य' रस अथवा 'शान्त' रस की परिभाषा लिखकर उसका उदाहरण दीजिए ।

(ख) 'रूपक' अलंकार अथवा 'उत्प्रेक्षा' अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए ।

(ग) 'चौपाई' छन्द अथवा 'बरवै' छन्द की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए ।

11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए

(i) बढ़ती जनसंख्या और देश का भविष्य ।

(ii) राष्ट्र के निर्माण में शिक्षक की भूमिका ।

(iii) भारत में आतंकवाद की समस्या ।

(iv) पर्यावरण प्रदूषण की समस्या और समाधान ।

12. (क) (i) 'पवनः' का सन्धि-विच्छेद होगा

(अ) प + अनः

(ब) पो + अनः

(स) पव + नः

(द) पौ + अनः ।

(ii) 'उच्चारणम्' का सन्धि-विच्छेद होगा

(अ) उत् + चरणम्

(ब) उ + चरणम्

(स) उत् + च्चरणम्

(द) उत् + चारणम् ।

(iii) 'सज्जन' का संधि-विच्छेद है

(अ) सद् + जनः

(ब) सज् + जनः

(स) सत् + जनः

(द) सज्ज + नः।

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक पद का विग्रह करके समास का नाम लिखिए:

(i) उपकृष्णम्

(ii) महाधनम्

(iii) मदाहस्त |

13. सड़क दुर्घटना से घायल मित्र को सांत्वना देते हुए एक पत्र लिखिए ।

अथवा

शहर में फैली संक्रामक बीमारी की तरफ जिलाधिकारी का ध्यान आकर्षित करने के लिए प्रार्थना पत्र लिखिए |

14. (क) (i) निम्नलिखित में से किसी एक शब्द के धातु एवं प्रत्यय का योग स्पष्ट कीजिए:

(अ) महिमावती

(ब) लघुत्वम्

(स) गत्वा ।

(ii) निम्नलिखित में से किसी एक शब्द का प्रत्यय लिखिए :

(अ) धीमती

(ब) लिखित्वा

(स) प्रभुत्वम ।

(ख) रेखांकित पदों में से किसी एक पद में प्रयुक्त विभक्ति तथा सम्बन्धित नियम का उल्लेख कीजिए -

(i) गृहं परितः उद्यानम् अस्ति ।

(ii) श्रीसीतारामाभ्यां नमः ।

(iii) आदर्श शिरसा खल्वाटोऽस्ति ।

Allpyqs.com